

रपलर। पधावली घंश हूँ। वहील प्राथी अनुपास्थिता।
वहील प्राथी का न्यायालय समय की
समाप्ति तक रुक-रुककर कई बार आवार्ज
लगावर्द गर्द, प्राववृद इसके कई उपास्थिता
नहीं हमा। अतः प्राथी का प्राथिना पज
अदम हाजुरी अदम पैरकी में खारिज किया अस्ता
पधावली फंसल शुमार दर्ज नंबर से कम हांकर
हासिल पकर हा।

सहायक कालक्टर
जयपुर शहर प्रथम

